SUNDAY | 25.02.2024 | फाल्गुन कृष्ण-प्रतिपदा विक्रम संवत-2080

उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

PAGE NO 9 : MIDDLE

चैट जीपीटी पर कम करें निर्भरता खुद कॉपी लिखने का करें प्रयास

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एडवांस इन कंप्यूटिंग आईसीएसी 2024' का आयोजन हुआ। इसमें विशेषज्ञों ने शोधार्थियों को चैट जीपीटी पर निर्भरता कम करने की सलाह दी।

प्राचार्य प्रो. प्रभाकर गुप्ता ने कहा कि सभी को मिलकर शोध की दिशा में नए आयाम स्थापित करने हैं। चैट जीपीटी से युवा शोधकर्ता सीधे कॉपी न करें। वे खुद लिखने का प्रयास करें।

एएमयू अलीगढ़ के डॉ. सरफराज ने कहा कि कोविड के बाद से टेलीमेडिसन की मांग बढ़ी है। इसमें बहुत सारे डोमेन में शोध के अवसर हैं। डीयू की प्रो. विनीता जिंदल ने यातायात सिग्नल अनुकूलन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। रुविवि के प्रो. विनय ऋषिवाल ने डाटा संचयन पर जोर दिया।

एसआरएमएस में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन। स्रोत : संस्थान

मुख्य अतिथि संस्थान के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि तकनीक का गलत इस्तेमाल न हो। इसलिए जरूरत के हिसाब से विकास करना होता है। बीआईटी भोपाल से आए डॉ. अब्दुल रहमान व रुविवि के प्रो. एसएस बेदी ने शोध के प्रति छात्रों को प्रोत्साहित किया।

आशीष अग्रवाल ने सम्मेलन की रिपोर्ट पढ़ी। इस दौरान संयोजक डॉ. बजीह अहमद, सुभाष मेहरा, डॉ. शाहजहां अली, हीरेश कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।